## महत्वपूर्ण एवं खास

### करंट से मां-बेटे की हुई मौत

**दंतेवाड़ा (आरएनएस)।** जिले के कुआकोंडा थाना क्षेत्र के नकुलनार में करंट की चपेट में आने से मां-बेटे की मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार नकुलनार की रहने वाली 80 साल की बुजुर्ग महिला सुंदर देवी अपने घर के बाहर बिजली के टूटे तार की चपेट में आकर गिर गई। मां को गिरा देख 50 साल का बेटा उमाशंकर उसे उठाने पंहुचा, उसे भी करंट के झटके लगे और दोनों बेहोश हो गए। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस व बिजली विभाग को सूचना दी गई, तब तक बाद दोनो की मौत हो चुकी थी। इस घटना से बिजली विभाग की लापरवाही सामने आई है, जिसे लेकर लोगों में काफी नाराजगी देखी जा रही है। कुआकोंडा टीआई प्रदीप बिसेन ने बताया घटना में मां-बेटा दोनों की मौत हो गई है। घटना के संबंध में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

### पत्नी को कुल्हाड़ी से मारकर कर दिया घायल,मामला दर्ज

**रायपुर (आरएनएस)।** रायपुर जिले के धरसींवा थाना क्षेत्र में शराबी ने देर से खाना बनाने की बात पर अपनी पत्नी को कुल्हाड़ी से मारकर घायल कर दिया। मामले की रिपोर्ट धरसींवा थाने में दर्ज करायी गई है। मिली जानकारी के मुताबिक योगेश धीवर पिता डिजेन्द्र धीवर 19 वर्ष निवासी ग्राम मढी ढीमर पारा चौकी सिलयारी थाना धरसींवा ने थाने में शिकायत दर्ज करायी है कि प्रार्थी का पिता डिजेन्द्र धीवर 42 वर्ष रोज की तरह सोमवार को रात 07 बजे शराब पीकर घर पहुंचा व खाना देर से बनाने को लेकर अपनी पत्नी श्रीमती पूर्णिमा धीवर के साथ गाली-गलौच कर कुल्हाड़ी से मारकर घायल कर जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। ईलाज हेतु तिल्दा ले जाने पर डाक्टरों ने चेक करने के बाद उसे रायपुर रिफर कर दिया है जहां उसका इलाज चल रहा है। मामले की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 294,323,506बी के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला दर्ज कर लिया है।

### जिला रोजगार कार्यालय में 11 को प्लेसमेंट कैंम्प का आयोजन होगा

**रायपुर (आरएनएस)।** जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, रायपुर द्वारा आगामी 11 अक्टूबर सोमवार को जिला रोजगार कार्यालय रायपुर में निजी क्षेत्र के नियोजक नई दुनिया, दैनिक समाचार पत्र के लिए प्लेसमेंट कैंम्प आयोजित किया जा रहा है। उप संचालक जिला रोजगार एवं स्वरोजगार कार्यालय ने बताया कि इस प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से टीम लीडर, कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं सर्वेयर के कुल 12 पदों पर स्नातक कम्प्यूटर में दक्ष एवं 12वी उत्तीर्ण योग्य आवेदकों को भी 10 हजार रूपये से 13 हजार रूपये प्रतिमाह वेतनमान पर की जायेगी। इन पदों पर भर्ती हेतु योग्य एवं इच्छुक आवेदक निर्धारित तिथि पर शैक्षणिक, तकनीकी शिक्षा तथा अनुभव प्रमाण पत्र की छायाप्रति के साथ सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक अपनी उपस्थिति देंगे। आवेदक सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए प्लेसमेंट कैम्प में सम्मिलित होंगे।

### सुकमा के बैडमिंटन खिलाड़ी हुए रायगढ़ रवाना

**सुकमा (आरएनएस)।** राज्य स्तरीय शालेय खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत 6 अक्टूबर से प्रारम्भ होने वाली बैडमिंटन प्रतियोगिता में अपनी खेल प्रतिभा का जौहर दिखाने सुकमा जिले से चयनित खिलाड़ी आज रायगढ़ के लिए रवाना हुए। कलेक्टर विनीत नंदनवार ने चयनित खिलाड़ियों से मुलाकात कर शुभकामना व आशीर्वाद दिया और खेल में बेहतर प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी जेके प्रसाद व जिला खेल अधिकारी सुकमा वीरूपक्ष पुराणिक उपस्थित थे।

# देश के पर्यटन नक्शे में नयी संभावनाओं के साथ उभरकर सामने आएंगे सरगुजा संभाग के सीतामढ़ी-हरचौका और रामगढ़

**» 7 अक्टूबर को राम वन गमन परिपथ के उद्घाटन से पर्यटकों को मिलेगी नयी सौगात**

**रायपुर (आरएनएस)।** छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी परियोजना राम वन गमन पर्यटन परिपथ विकास के तहत पहले चरण में जिन 9 स्थलों का चयन कर उन्हें पर्यटन तीर्थ के रूप में विकसित किया जा रहा है, उनमें से सरगुजा संभाग के भी दो स्थल शामिल हैं। इनमें से एक है कोरिया जिले में स्थित सीमामढ़ी हर चौका, और दूसरा है सरगुजा जिले में स्थित रामगढ़। 07 अक्टूबर को जब चंदखुरी में राम गमन पर्यटन परिपथ का शुभारंभ होगा तब देश के पर्यटन नक्शे में भगवान राम के वनवास काल से जुड़े ये दोनों महत्वपूर्ण स्थल भी नयी संभावनाओं के साथ उभरकर सामने आएंगे। चंदखुरी में इस परियोजना के शुभारंभ के लिए नवरात्रि के अवसर पर तीन दिवसीय समारोह आयोजित करने की भव्य तैयारी की जा रही है।

राम वन गमन पर्यटन परिपथ में रायपुर के निकट स्थित चंदखुरी के प्राचीन माता कौशल्या मंदिर परिसर के विकास और सौंदर्यीकरण का एक चरण पूरा हो चुका है। 07 अक्टूबर को यहां विकसित नयी पर्यटन सुविधाओं के लोकार्पण के साथ-साथ पूरे राम वन गमन पर्यटन परिपथ का भी शुभारंभ किया जाना है। कोरोना-काल में बाधित हुई पर्यटन गतिविधियों के बाद यह नया परिपथ घरेलू पर्यटन में रुचि रखने वाले पर्यटकों के लिए एक बड़ा उपहार होगा।

वनवास के दौरान भगवान राम ने कोरिया जिले से ही छत्तीसगढ़ में प्रवेश किया था। भरतपुर तहसील के जनकपुर में स्थित सीतामढ़ी-हरचौका को उनका पहला पड़ाव माना जाता है। मवाई नदी के किनारे स्थित सीतामढ़ी-हरचौका की गुफा में 17 कक्ष हैं। इसे सीता की रसोई के नाम से भी जाना जाता है। वहां एक शिलाखंड है जिसे लोग भगवान राम का पद-चिन्ह मानते हैं। मवाई नदी तट पर स्थित गुफा को काट कर 17 कक्ष बनाए गए हैं, जिनमें शिवलिंग स्थापित हैं। इसी स्थान को हरचौका (रसोई) के नाम से जाना जाता है। भगवान राम हरचौका से रापा नदी के तट पर स्थित सीतामढ़ी-घाघरा पहुंचे थे। यहां करीब 20 फीट ऊपर 4 कक्षों वाली गुफा है, जिसके बीच में शिवलिंग स्थापित है। आगे की यात्रा में वे घाघरा से निकलकर कोटाडोला होते हुए सरगुजा जिले की रामगढ़ पहाड़ी पहुंचे थे।

सरगुजा जिला मुख्यालय अंबिकापुर से 50 किलोमीटर दूर स्थित रामगढ़ एक ऐतिहासिक, पुरातात्विक एवं सांस्कृतिक महत्व का स्थल है। समुद्र तल से इसकी ऊंचाई लगभग 3 हजार 202 फीट है। इस स्थान को महाकवि कालिदास की अनुपम रचना '' मेघदूतम'' की रचना स्थली माना जाता है। विश्व की सर्वाधिक प्राचीनतम् शैल नाट्यशाला के रूप में भी यह विख्यात है। ''सीताबेंगरा'' और ''जोगीमारा'' की गुफाएं तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व मौर्यकाल के समय की मानी जाती हैं। जोगीमारा गुफा में मौर्य कालीन ब्राह्मी लिपि में अभिलेख तथा सीताबेंगरा गुफा में गुप्तकालीन ब्राह्मी लिपि में अभिलेख के प्रमाण मिलते है। जोगीमारा गुफा की एक और विशेषता है कि यहां भारतीय भित्ति चित्रों के सबसे प्राचीन नमूने अंकित हैं। पुरातात्विक दस्तावेजों के रूप में मूर्तियों, शिलालेखों एवं ताम्रपत्रों का बड़ा महत्व माना जाता है।

## युवाओं के लिए नेतृत्व क्षमता विकास प्रशिक्षण आयोजित किए जाएं - राज्यपाल

**» राज्यपाल से जेसीआई के प्रतिनिधिमण्डल ने की मुलाकात**

**रायपुर (आरएनएस)।** राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके से राजभवन में जूनियर चेम्बर इंटरनेशनल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती राखी जैन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमण्डल ने मुलाकात की। राज्यपाल ने जेसीआई द्वारा पूरे देश में किये जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवा ही हमारे देश का भविष्य हैं और उन्हें व्यक्तित्व विकास एवं अन्य विषयों पर प्रशिक्षण देकर संस्था द्वारा देशहित में अच्छा कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए नेतृत्व क्षमता विकास प्रशिक्षण चलाएं, जिससे हमारे युवा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से भागीदारी करें। राज्यपाल ने कहा कि युवाओं को उनकी रूचि का पाठ्यक्रम मिल सके, इसलिए सभी विश्वविद्यालयों में कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ बनाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने विचार सुसंगत तरीके से रखने एवं संवैधानिक विषयों आदि की जानकारी, अधिकारों की जानकारी भी प्रशिक्षण के जरिए दिये जाने की आवश्यकता है।

जेसीआई की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती जैन ने राज्यपाल द्वारा संस्था को लगातार प्रोत्साहन दिये जाने पर उन्हें धन्यवाद दिया और कहा कि आपके सर्वोच्च पद तक पहुंचने से हम सबको विशेषकर महिलाओं को प्रेरणा मिलती है।

## आत्मसमर्पित नक्सली-नक्सल पीड़ितों एवं जवानों की होगी ब्रेन मैपिंग

**» युनिसेफ की मदद से नक्सलवाद के करण प्रभावित हर पहलु पर होगा सर्वे**

**सुकमा (आरएनएस)।** नक्सलवाद का दंश झेल रहे सुकमा जिले में पहली बार पुलिस अलग-अलग वर्गों का ब्रेन मैपिंग कराने जा रही है। पुना नर्कोम अभियान के तहत युनिसेफ की मदद से नक्सलवाद के कारण प्रभावितों और जवानों का सर्वे कराया जायेगा। सर्वे के पीछे जवानों और नक्सल पीड़ितों का दर्द को समझने का प्रयास किया जायेगा। युनिसेफ के सहयोग से एक महीने तक चलने वाले इस ब्रेन मैपिंग में हर उस पहलु को ध्यान में रखा जायेगा जो नक्सलवाद के कारण प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा सर्वे में ऐसे लोगों को भी शामिल किया जायेगा जो दशकों से नक्सल इलाकों में निवासरत हैं। सर्वे के बाद निष्कर्ष के साथ एक रिर्पोट तैयार कर उच्च अधिकारियों का भेजा जायेगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विश्व आदिवासी दिवस पर सुकमा पुलिस द्वारा शुरू किये गये पूना नर्कोम अभियान के तहत पुलिस लगातर नये-नये प्रयास कर रही है। युवाओं को पुलिस भर्ती के साथ अन्य प्रतियोगी परिक्षाओं के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी कड़ी में सुकमा पुलिस ने पहली बार मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं से जूझ रहे जवानों, नक्सल पीडितों और आत्मसमर्पित नक्सलियों की मदद के लिए कदम उठाया है। युनिसेफ की मदद से मनोचिकित्सकों की टीम सुकमा जिले में कैंप कर सर्वे करेगी। इसके लिए चार वर्गों में सर्वे को बांटा गया है। जिसमें नक्सल हिंसा के शिकार ग्रामीण, आत्मसमर्पित नक्सली, नक्सल इलाकों में निवासरत ग्रामीण और नक्सल इलाके में तैनात जवानों को शामिल किया गया है। जिले में 2011 से अब तक नक्सलवाद से तंग आकर मुख्यधारा में जुड़े चुके आत्मसमर्पित नक्सलियों पर ब्रेन मैपिंग होगी। जिसमें जनमिलिशिया से लेकर 05 व 08 लाख के इनामी नक्सली भी शामिल हैं। दंतेवाड़ा पुलिस द्वारा कराये गये सर्वे में कई चौकाने वाले खुलासे हुए थे। सर्वे के दौरान आत्मसमर्पित नक्सलियों ने बताया था कि किस तरह बड़े नक्सली नेता संगठन में भर्ती के बाद उनका इस्तेमाल सुरक्षाबलों के खिलाफ करते हैं।

एसपी सुकमा सुनील शर्मा ने बताया कि युनिसेफ की मदद से दिल्ली से पहुंच रही तीन मनोचिकित्सकों की टीम कई बिंदुओं पर सर्वे करेगी।

## वनाधिकार मिलने से बदलने लगा किसानों का जीवन

**रायपुर (आरएनएस)।** वन भूमि में वर्षो से काबिज लोंगों को वनाधिकार पत्र मिलने से अनेक गरीब परिवारों की जिंदगियां संवर गई हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व मे वनवासियों को उनकी जमीन पर अधिकार देने के संवेदनशील निर्णय से किसान निश्चिंत होकर खेती-किसानी कर रहें हैं और खेत के साथ अपने परिवार की बेहतरी के लिए निर्णय ले पा रहे हैं। पहाड़ों और जंगलों से घिरे उत्तर बस्तर कांकेर जिले में 12 हजार 883 लोगों को लगभग 4339.115 हेक्टेयर भूमि का व्यक्तिगत वनाधिकार पट्टा प्रदान किया गया है। इसके साथ ही 04 हजार 854 सामुदायिक वनाधिकार पट्टे के तहत लगभग 179449.810 हेक्टेयर भूमि लोगों को प्रदान की गई है। इसी प्रकार 145120.733 हेक्टेयर भूमि का 338 वन संसाधन हक भी वितरण किया गया है। इन्हीं खुशनसीब लोगों में से एक नरहरपुर विकासखण्ड के ग्राम देवगांव के किसान खम्मनसिंह हैं, जिनके जीवन में वनअधिकार पत्र मिलने से बड़ा बदलाव आया है।

खम्मनसिंह नेताम के बताया कि उनके पिता पहले छोटे झाड़ के जंगल की जमीन पर खेती करते थे, इसी 1.02 हेक्टेयर भूमि का वनाधिकार पट्टा उन्हें प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि जमीन का पट्टा मिलने से अब उन्हें बेदखली का भय नही है। अब बिना चिंता के वह खेती कर रहे हैं। उन्होंने अब आधुनिक खेती शुरू करना शुरू कर दिया है। वे दो फसली खेती करने लगे है, जिससे उनकी आमदनी में वृद्धि हुई है। पिछले साल उन्होंने खरीफ एवं रबी फसल का लगभग 70 हजार रूपये का धान विक्रय किया है।

खम्मनसिंह ने जमीन में रोजगार गारण्टी योजना के तहत 02 लाख 30 हजार रूपये की लागत से डबरी निर्माण कराया है और लगभग 01 लाख रूपये खर्च कर नलकूप खनन भी करवाया है, इससे फसल की सिंचाई करने में मदद मिल रही है। सिंचाई की सुविधा हो जाने से अब वे जमीन में सब्जी उत्पादन भी करने लगे हैं। उपयोग के बाद बची सब्जियों का वह विक्रय करते हैं। उन्होंने खेत के मेड़ पर अरबी, केला और देसी सब्जियां लगायी है, जिससे आमदनी में वृद्धि हो रही है। उन्होंने डबरी में मछली पालन के लिए मृगल, रोहू और कतला मछलियों का बीज डाला है। मछलियां अब बढ़कर बिक्री करने लायक हो गई है, उन्हे विश्वास है कि मछलियों के बेचने से भी उन्हें अच्छी आमदनी प्राप्त होगी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा किसानों के हित में किये जा रहे कार्यो के प्रति आभार प्रकट करते हुए खम्मनसिंह ने बताया कि उनके द्वारा खेती-किसानी के लिए कर्ज लिया गया था, जिसे राज्य सरकार द्वारा माफ कर दिया गया है। उन्हें सहकारी समिति के माध्यम से खाद एवं बीज भी कर्ज के रूप में प्राप्त हुआ है। उन्होने कहा कि जमीन का मालिकाना हक वनाधिकार मान्यता पत्र मिलने से उनके परिवार के भरण-पोषण की चिंता दूर हो गई है।

## गांजा बिक्री करते 2 गिरफ्तार, 3 किलों सौ ग्राम मादक पदार्थ गांजा व नगदी 1500 रुपये जब्त

**रायपुर (आरएनएस)।** रायपुर जिले के खरोरा व धरसींवा थाना क्षेत्र में पुलिस ने 2 लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ गांजा व बिक्री की रकम जब्त की है। मिली जानकारी के मुताबिक 4 अक्टूबर को सारागांव खरोरा में गांजा बेचे जाने सुचना मिलने पर खरोरा थाना पुलिस ने मुखबीर के बताये स्थान ग्राम सारागांव पहुंचकर रेड कार्यवाही किया। आरोपी राजू सोनी ऊर्फ बम्बईया के कब्जे से एक सफेद रंग के थैला मे 840 ग्राम गांजा अवैध रूप से रखा मिला कीमत लगभग 5000 रूपये व बिक्री रकम 500 रूपये कुल 5500 रूपये को जब्त किया।

इसी तरह धरसींवा थाना क्षेत्र में साहू ढाबा के पास सिलतरा में एक व्यक्ति द्वारा गांजा बेचने की सुचना पर मौके पर पहुंच मंगलवार को दोपर 1 बजे के करीब पुलिस स्टाप ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से थैला में रखा 2 किलों 350 ग्राम गांजा अनुमानित कीमत 23500 रुपये एवं बिक्री की रकम 1000 रुपये जब्त की है। नाम पुछने पर आरोपी ने अपना नाम अमीत कुमार गुप्ता 22 वर्ष पिता रमेश गुप्ता निवासी सांई विहार कालोनी सिलतरा बताया है।

## राज्य लघु वनोपज संघ का भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के साथ अनुबंध

**» लघु वनोपज संग्रहण कार्य को उन्नत और बेहतर बनाने के लिए**

**» छत्तीसगढ़ में संग्राहकों को लघु वनोपजों के उन्नत संग्रहण तथा प्रसंस्करण का मिलेगा लाभ**

**रायपुर (आरएनएस)।** मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा राज्य में लघु वनोपज संग्रहण कार्य को उन्नत और बेहतर बनाने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) से अनुबंध किया गया है। यह अनुबंध राज्य सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ में लघु वनोपज संग्राहक आदिवासी तथा अन्य परम्परागत वनवासी परिवारों की बेहतरी की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में लघु वनोपज के संग्राहकों तथा वन-धन केन्द्रों में प्रसंस्करण तथ मूल्यवर्धन के कार्य में कार्यरत महिला स्व-सहायता समूहों को उनकी मेहनत का बेहतर मूल्य दिलाने के उद्देश्य से अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। इस संबंध में राज्य लघु वनोपज संघ के प्रबंध संचालक संजय शुक्ला ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद भारत सरकार के कृषि एवं कृषि कल्याण मंत्रालय के अधीन कृषि अनुसंधान तथा शिक्षा के अंतर्गत कार्यरत एक स्वशासी संस्था है। यह देश में कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य पालन तथा पशुविज्ञान में समन्वय स्थापित करने तथा मार्गदर्शन देने वाली सर्वोच्च संस्था है। इस अनुबंध के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थान छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ को संग्रहण, भंडारण तथा प्रसंस्करण हेतु नवीनतम उपकरण तथा तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराएंगे।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से समझौते के तहत उपलब्ध आधुनिकतम उपकरणों तथा तकनीकी का प्रयोग, लघु वनोपज संग्रहण में लगे लोगों की मेहनत कम करेगा तथा उन्नत संग्रहण सुनिश्चित होगा। साथ ही नई तकनीक के प्रयोग से वनोपजों की साफ-सफाई, छटाई, गोदामीकरण में सुधार तथा सरलता के साथ ''छत्तीसगढ़ हर्बल्स'' में नये उत्पादों का समावेश होगा और वन-धन केन्द्रों की उत्पादन क्षमता में भी वृद्धि होगी।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसमूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य क्षेत्र में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जायेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जायेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

# नवरात्र में जाएंगी थनौद में बनी मूर्तियां छत्तीसगढ़ के कोने कोने में

**दुग (आरएनएस)।** गुरुवार से नवरात्र आरम्भ हो रही है। नवरात्रि के उत्साह और रंग अभी से बाजार में दिखाई देने लगे हैं। शहर के पंडालों में विराजमान होने वालीं मां दुर्गा की प्रतिमाओं को कलाकार अंतिम रूप देने में जुटे हैं। मां की मूरत को सुंदर आकार और नौ रूपों में ढाला जा रहा है। शहर और गांव में स्थापित होने वालीं प्रतिमाओं को भी हर साल की तरह इस बार भी विशेष रूप दिया जा रहा है। ग्राम थनौद में मूर्तिकार विशेष मूर्ति बनाते हैं विभिन्न आकृतियों व मनमोहक रूप देकर आकर्षण का केंद्र पहले से रहा है यहां माता का विशेष श्रृंगार किया जाता है। कुम्हार समाज के लगभग सभी सदस्य मूर्ति निर्माण में जुटे हैं।

मूर्तिकारों का कहना है कि इस साल मूर्तिकारों को शासन से बहुत उम्मीद थी, शासन बड़ी प्रतिमाएं रखने की अनुमति देता तो पिछले साल घाटा खा चुके मूर्तिकारों को कुछ राहत मिलेगी। सभी मूर्तिकार प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं। फिलहाल मूर्ति रखने को लेकर गाइड लाइन आ चुकी है।

**मां के सुंदर व मनमोहक रूप बना रहे हैं बालम-** छत्तीसगढ़ के मूर्ति कारों के ध्वजवाहक और माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष बालम चक्रधारी ने बताया कि माता का विभिन्न रूपों में श्रंगार हो रहा है। मिट्टी के ही आभूषण पहनाएं गए हैं। जिनमें प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल किया गया है। इनके बनाए हुए मूर्तियां इस वर्ष छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में जाएंगी। स्थानिय मूर्ति बनाने वाले कलाकारों ने बताया बारिकी से किए गए काम को लोग पसंद करते हैं शिल्पग्राम थनौद इसी के लिए प्रसिद्ध है। गांव,शहर के अलावा विभिन्न स्थानों पर जाने वाली प्रतिमाएं पहले से ही बुक करा ली जाती हैं। पहले की अपेक्षा इस बार मूर्तियां महंगी बिक रही है। कोरोना का बोझ समितियों पर आर्थिक रूप से पड़ा है।

**गणेश जी के साथ विराजेंगी मां दुर्गा-** मूर्तिकारों ने जून माह से ही माता की प्रतिमा बनाना शुरू कर दी थीं। इस बार बालम चक्रधारी ने भगवान गणेश के साथ माता दुर्गा की मनमोहक झांकी वाली प्रतिमा बनाई है जो धमतरी में स्थापित होंगी। अब प्रतिमाओं पर रंग दिया जा रहा है। 2 दिन शेष रह गए हैं तो जल्द ही श्रृंगार करके माता की प्रतिमाएं तैयार हो जाएंगी।